India@75 Conclave was organized by Forest Research Centre for Eco-Rehabilitation, Prayagraj on 14 August 2022 under the Azadi Ka Amrit Mahotsav, in which renowned experts from various fields *viz.* social sciences, agriculture, medicine, literature, art and culture deliberated upon country's achievements in 75 years of independence. The Programme started with the lighting of the lamp by the distinguished guests followed by release of a book titled "Poplar Farming" written by FRCER scientists, Dr. Anita Tomar and Dr. Sanjay Singh.

In his welcome address, Dr. Sanjay Singh, Scientist G & Head apprised about the journey of forestry and environment since independence and Significant efforts of the Indian Council of Forestry Research and Education under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change in the development of forestry sector. Mr. Alok Yadav, Scientist-E and Coordinator briefed about the programme's motive and invited guests of the programme.

Special guest Prof. Badri Narayan, Director, Govind Ballabh Pant Institute of Social Sciences, Prayagraj, while addressing the gathering, apprised about the positive changes and progress of Indian society after independence. He observed that development accounts for the society not to any individual.

Mr. Prem Singh, Founder, Humane Agrarian Centre, Banda (UP) discussed about the significant achievement and future prospects in the field of agriculture. Describing organic farming as an ancient method, he highlighted its importance for environmental amelioration. In his views farmers must plant trees in agroforestry system on at least one third of their lands.

Noted theatre director and art critic Mr. Pravin Shekhar spoke on the rich tradition Indian theatre, dances and music. The country has made a global impact in art and culture according to him.

Dr. Maneeshi Bansal, Vice-President of Orthopedic Society, Prayagraj discussed about the incomparable progress made by India in the field of medicine. Being an authority in philately also he depicted India's progress as reflected in postage stamps.

Dr. Yasmin Sultana Naqvi, renowned Hindi writer enlightened the house about the enhanced recognition of Hindi in the World. Sh. Purnendu Kumar Singh, Retired Police Officer, MP Chaired the proceedings of the Conclave. In his address he discussed about major changes in public administration in independent India.

The panellists also answered the queries of audience in an interactive session. While conducting the program, Senior Scientist Dr. Anubha Srivastava also apprised about the Azadi ka Amrit Mahotsav. The Conclave was attended by guests from the city along with Officers, staff and scholars of the Centre.

Azadi Ka Amrit Mahotsav
INDIA @75 CONCLAVE
PROF. BADRI NARAYAN
PREM SINGH
PRAVIN SHEKHAR
14th August
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION
PRAYAGRAJ
Poplar Farming

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com आजादी का अमृत महोत्सव

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से हुआ आयोजन

विकास व्यक्ति विशेष का नहीं, समाज का होता है

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से अमृत महोत्सव के अंतर्गत रविवार को चिंतन शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं विशिष्ट अतिथियों ने पॉपलर फार्मिंग पर डॉ. अनीता तोमर एवं केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पुस्तक पर चर्चा करते हुए पॉपलर से किसानों को होने वाले लाभ को बताया।

केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने आजादी के बाद वनों के स्तर में आई कमी तथा इसके सुधार में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के प्रयासों के बारे में बताया। गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. बद्री नारायण ने आजादी के बाद भारत की सामाजिक स्थिति से लोगों को रूबरू कराया। डॉ. मनीषी बंसल ने भारत द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में हुई प्रगति पर चर्चा करते हुए कहा कि विकास व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि समाज का होता है। जैविक खेती विशेषज्ञ कृषक प्रेम सिंह ने जैविक खेती को प्राचीन पद्धति बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। कला एवं संस्कृति कलाकार प्रवीण शेखर ने लघु कथा के माध्यम से आजादी से लेकर आज तक के सफर में विभिन्न लेखकों, कवियों, वैज्ञानिकों, कृषकों के योगदान को प्रदर्शित किया।

साहित्यकार डॉ. पूर्णेन्द्र कुमार सिंह ने आजाद भारत में साहित्य के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. कुमुद दुबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, अंबूज कुमार, अशोक कुमार और शोधार्थी छात्र उपस्थित रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से चिंतन समारोह में पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

KT KAUSHAMBI TIMES हिन्दी दैनिक कौशाम्बी टाइम्स | प्रयागराज, सोमवार, 15 अगस्त, 2022

आजादी की 75वीं वर्षगाँठः चिंतन समारोह का आयोजन :

पॉपलर फार्मिंग विषय पर डा0 अनीता तोमर एवं डा0 संजय सिंह द्वारा रचित पुस्तक का विमोचन

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष पर पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा चिंतन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथियों के तौर पर विभिन्न सम्मानित क्षेत्र यथा साहित्य, औषधि, हिंदी साहित्य, कृषि तथा सामाजिक विज्ञान आदि के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। सभा की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों तथा केन्द्र प्रमुख द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके हुआ। विशिष्ट अतिथि तथा केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा पॉपलर फार्मिंग विषय पर डा0 अनीता तोमर तथा डा0 संजय सिंह द्वारा रचित पुस्तक का विमोचन किया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने आजादी के बाद से आज तक के सफर में वनों के स्तर में आयी कमी तथा इसके सुधार में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के विभिन्न प्रयासों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि प्रो0 बद्री नारायण, निदेशक, गोविन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए आजादी के बाद से आज तक के भारत की सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध जैविक खेती विशेषज्ञ प्रेम सिंह, कृषक, बांदा ने जैविक खेती को प्राचीन पद्धति बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही इसे कृषिवानिकी में बहुपयोगी बताया। विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर कला एवं संस्कृति कलाकार ने भारतीय रंगमंच के विकास के साथ ही लघु कथा के माध्यम से आजादी से लेकर आज तक के सफर में विभिन्न लेखकों, कवियों, वैज्ञानिकों के साथ कृषकों के योगदान से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा0 मनीषी बंसल, चिकित्सा एवं डाक टिकट ने भारत द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में किए गए अतुलनीय प्रगति पर चर्चा की साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन के कुछ उदाहरण प्रस्तुत किये, उन्होंने कहा कि विकास व्यक्ति विशेष का नहीं होता बल्कि समाज का होता है। विशिष्ट अतिथि डा0 याशमीन सुल्ताना नकवी, हिंदी साहित्यकार ने आजादी के पहले और बाद हिंदी की स्थिति से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा0 पूर्णेन्द्र कुमार सिंह, साहित्यकार ने आजाद भारत में साहित्य के योगदान से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पुस्तक के विषय में अवगत कुराते हुए पॉपलर की उपयोगिता तथा इससे किसानों को होने वाले लाभ से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम को संचालित करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव से भी अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव के निर्देशन में कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। आयोजित सभा में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ 0 कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला के साथ अम्बूज कुमार, क0श्रे0लि0, अशोक कुमार, बहुकार्य कर्मी, विभिन्न शोधार्थी छात्र योगेश, विजय, दर्शिता, मोहया पाल, आशीष यादव, कुलदीप आदि उपस्थित रहे ।

पॉपलर किसानों द्वारा कृषिवानिकी के उद्देश्य से सबसे पसंदीदा वृक्ष प्रजाति है। इनकी वृद्धि तेज होने के कारण कोई भी किसान अच्छे प्रबंधन से कम समय में अधिक लाभ प्राप्त कर सकता है।

इसकी लकड़ी तथा छाल का उपयोग प्लाईवुड, बोर्ड, माचिस की तीलियां, खेलकूद के सामान तथा पेंसिल बनाने के लिए भी किया जाता है। विमोचित पुस्तक पॉपलर फार्मिंग के अंतर्गत पॉपलर आधारित कृषिवानिकी प्रणाली कृषि तकनीक, संरक्षण एवं प्रबंधन, क्लोनिंग, पॉपलर के साथ अन्य फसल, आर्थिक तथा विपणन के साथ सम्बन्धित अन्य विविध मुद्दे उपलब्ध हैं। इस प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य किसानों तथा अन्य हितधारकों के बीच पॉपलर की खेती हेतु जानकारी उपलब्ध कराना है। यह पुस्तक वैज्ञानिकों, आदिवासियों, किसानों, पाठकों तथा बागवानो व पॉपलर की खेती में रूचि रखने वालों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा।

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर चिंतन समारोह का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं)। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष पर दिनांक 14.08.2022 को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा चिंतन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथियों के तौर पर विभिन्न सम्मानित क्षेत्र यथा साहित्य, औषधि, हिंदी साहित्य, कृषि तथा सामाजिक विज्ञान आदि के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। सभा की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों तथा केन्द्र प्रमुख द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके हुआ। विशिष्ट अतिथि तथा केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा पॉपलर फार्मिंग विषय पर डा0 अनीता तोमर तथा डा0 संजय सिंह द्वारा रचित पुस्तक का विमोचन किया गया। अपने स्वागत भाषण में केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने आजादी के बाद से आज तक के सफर में वनों के स्तर में आयी कमी तथा इसके सुधार में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के विभिन्न प्रयासों से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि प्रो0 बद्री नारायण, निदेशक, गोविन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज ने सभा को सम्बोधित करते हुए आजादी के बाद से आज तक के भारत की सामाजिक स्थिति से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध जैविक खेती विशेषज्ञ प्रेम सिंह, कृषक, बांदा ने जैविक खेती को प्राचीन पद्धति बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला साथ ही इसे कृषिवानिकी में बहुपयोगी बताया। विशिष्ट अतिथि प्रवीण शेखर कला एवं संस्कृति कलाकार ने भारतीय रंगमंच के विकास के साथ ही लघु कथा के माध्यम से आजादी से लेकर आज तक के सफर में विभिन्न लेखकों, कवियों, वैज्ञानिकों के साथ कृषकों के योगदान से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा0 मनीषी बंसल, चिकित्सा एवं डाक टिकट ने भारत द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में किए गए अतुलनीय प्रगति पर चर्चा की साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन के कुछ उदाहरण प्रस्तुत किये, उन्होंने कहा कि विकास व्यक्ति विशेष का नहीं होता बल्कि समाज का होता है। विशिष्ट अतिथि डा0 याशमीन सुल्ताना नकवी, हिंदी साहित्यकार ने आजादी के पहले और बाद हिंदी की स्थिति से अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि डा0 पूर्णेन्द्र कुमार सिंह, साहित्यकार ने आजाद भारत में साहित्य के योगदान से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पुस्तक के विषय में अवगत कुराते हुए पॉपलर की उपयोगिता तथा इससे किसानों को होने वाले लाभ से अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम को संचालित करते हुए आजादी के अमृत महोत्सव से भी अवगत कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव के निर्देशन में कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। आयोजित सभा में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ 0 कुमुद दूबे, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला के साथ अम्बूज कुमार, क0श्रे0लि0, अशोक कुमार, बहुकार्य कर्मी, विभिन्न शोधार्थी छात्र योगेश, विजय, दर्शिता, मोहया पाल, आशीष यादव, कुलदीप आदि उपस्थित रहे ।

पॉपलर किसानों द्वारा कृषिवानिकी के उद्देश्य से सबसे पसंदीदा वृक्ष प्रजाति है। इनकी वृद्धि तेज होने के कारण कोई भी किसान अच्छे प्रबंधन से कम समय में अधिक लाभ प्राप्त कर सकता है। इसकी लकड़ी तथा छाल का उपयोग प्लाईवुड, बोर्ड, माचिस की तीलियां, खेलकूद के सामान तथा पेंसिल बनाने के लिए भी किया जाता है। विमोचित पुस्तक 'पॉपलर फार्मिंग' के अंतर्गत पॉपलर आधारित कृषिवानिकी प्रणाली कृषि तकनीक, संरक्षण एवं प्रबंधन, क्लोनिंग, पॉपलर के साथ अन्य फसल, आर्थिक तथा विपणन के साथ सम्बन्धित अन्य विविध मुद्दे उपलब्ध है। इस प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य किसानों तथा अन्य हितधारकों के बीच पॉपलर की खेती हेतु जानकारी उपलब्ध कराना है। यह पुस्तक वैज्ञानिकों, आदिवासियों, किसानों, पाठकों तथा बागवानो व पॉपलर की खेती में रूचि रखने वालों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा।